B.A.- I (CBCS Pattern) Semester-II

BA12A2-3 - Compulsory Pali

P. Pages : 4 | **GUG/S/25/10027**

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

सूचना : 1. सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. स्विकृत माध्यमात उत्तर लिहा.
स्विकृत माध्यम में उत्तर लिखिए।

1. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद किजिए।

"सतपत्तो लुद्दकस्स वसनगामं गतो। लुद्दो पच्चूसकाले येव सति गहेत्वा निक्खमि। सकुणो तस्स निक्खमनभावं ञत्वा वस्सित्वा पक्खे पप्पोठेत्वा तं पुरेध्दारेन निक्खमन्तं मुखे पहारे। लुद्दो कालकण्णिसकुणेनाम्हि पहरो ति निवत्तित्वा थोकं समित्वा पुन सत्ति गहेत्वा उट्ठामि। सकुणो' अयं पठमं पुरेध्दारेन निक्खन्तो इदानि पच्छिमद्वारेन निक्खमिस्सनि' ति ञत्वा गन्त्वा पच्छिमगेहे निसीदि। लुद्दोपि पुरेध्दारेन मे निक्खमन्तेन कालकण्णिसकुणो दिट्ठो, इदानि पच्छिमद्वारेन निक्खमिस्सति' ति पच्छिमद्वारेन निक्खमि। सकुणो पुन वस्तित्वा गन्त्वा मुखे पहरि। लुद्दो पुनपि कालकण्णिसकुणेन पहरो' न मे एस निक्खमितुं देती' ति निवत्तित्वा याव अरुणुग्गमना सयित्वा अरुणवेलास सत्तिं गहेत्वा निक्खमि।

किंवा / अथवा

अथ खो राजा पसेनदि कोसलो येन भगवा तेनुपसङ्कमि उपसङ्कमित्वा भगवन्तं अभिवादेत्वा एकमन्त निसीदि। अथ खो अञ्ञतरो पुरिसो येन राजा पसेनदि कोसलो तेनुपसङ्कमि उपसङ्कमित्वा इञ्ञो पसेनदिस्स कोसलस्स उपकण्ण के आरोचेसि। "मल्लिका, देव, दैवी धीतरं विजाता" ति। एवं वुत्ते, राजा पसेनदि कोसलो अनत्तमानो अहोसि। अथ खो भगवा राजानं पसेनदि कोसल अनन्तमनत्तं विदित्वा तायं वेलायं इमा गाथायो अभासि- 'इत्थि पि हि एकच्चिया, सेय्या पोस जनाधिप।, मेधाविनि सीलवती, सस्सुदेवा पतिब्बता।। तस्सा यो जायति पोसो, सुरो, होति दिसम्पन्ति। तादिसा सुभगिया पुत्तो, रेज्जं पि अनुसासत्ती" ति।।

ब) तीनलोक धम्म कोणते ते स्पष्ट करा. **6**
तीन लोक धम्म कोणसे वह स्पष्ट किजिए।

किंवा / अथवा

नच्चजातकांची कथा तुमच्या शब्दात सांगा.
नच्चजातक की कथा तुम्हारे शब्दों में बताईए।

2. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

1) पुनापारं यदा होमि ब्राह्मणो सङ्खसण्हयो।
यहासमुद्द तरितुकामो उपगच्छामि पट्टन।।

2) तत्थ द्दसामि पटिपथे सयंम्भूमपराजितं।
कन्तारध्दान पटिपन्न तत्ताय कदीनभूमिया।।

3) तमंहं पटिपथे दिस्वा इममत्थं विनित्वयि।
इदं खेतं अनुप्पन्तं पुञ्ञकामस्स जनुनो।

4) यथापि कस्सको पुरिसो खेत्तं दिस्वा महागमं।
तत्थ बीजं न रोपेति न सो धञ्ञेन अत्थिको॥

किंवा / अथवा

1) अथद्दसासि सम्बुध्दं, भिक्खुसंङ्घपुरक्खतं।
पविसन्तं महावीरं, मगधानं पुरुत्तमं॥

2) निखिपित्वान ब्याभिङ्ग, वन्दितुं उपसङ्कमि।
ममेव अनुकम्पाय, अट्ठासि पुरिसुत्तमो॥

3) वन्दित्वा सत्थुनो पादे, एकमन्तं ठितो तदा।
पब्बज्जं अहमायाचिं, सब्बसत्तानमुत्तमं॥

4) ततो कारुणिको सत्था, सब्बलोकानुकम्पको।
'एहि भिक्खु ति मं आहं, सा मे आसूपसम्पदा॥

ब) 'सीलवत्थेर' यांनी शील कसे संपादन केले ते लिहा. **6**
'सीलवत्थेर' इन्होने शील कैसे संपादन किया वह लिखिए।

किंवा / अथवा

सिवीराज चरियं सविस्तर लिहा.
सिवीराज चरियं विस्तारपूर्वक लिखिए।

3. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद किजिए।
यं पन वुत्तं "को चस्स सङ्किलेसो? किं वोदानं? "ति। तञ वदाम-'खण्डादिभावो सीलस्स सङ्किलेसो, अखंण्डादिभावो वोदानं। सो पन खण्डादिभावो लाभयसादिहेतूकेन भेदेन च, सत्त विधमेथु नसंयोगेन च सङ्गहितो। तथा हि यस्स सत्तसु आपत्ति क्खन्धेसु आदिम्हि वा अन्ते वा सिक्खापदं भिन्नं होति, तस्स सीलं परियन्ते छिन्नसारको विय खण्डं नाम होति। यस्स पन वे मज्झे भिन्नं तस्स मज्झे छिद्दसाटको वियं छिद्दं नाम होति। यस्स पटिपाटिया द्वे तीणि, भिन्नानि तस्स पिट्ठिया वा कुच्छिया वा उट्ठितेन विसभागवण्णेन काळरनादीनं अञ्ञातरसरीरवण्णा गावो वियं सबलं नाम होति।

किंवा / अथवा

सति उप्पज्जमाना कुसलाकुसलसावज्जानवज्जहीनप्पणीतकण्ह-सुक्कसप्पहिभागधम्मे अपिलापेति-'इमे चत्तारो, सति पट्ठाना इमे चत्तारो सम्मप्पधाना, इमे चत्तारों इध्दिपादा इमानि पञ्चिन्द्रियानि, इमानि पञ्च बलानि, इमे सत्त बोज्झङ्ग, अयं अरियो अट्ठाङ्गिकोमग्गो, अयं समथो, अयं विपस्सना, अयं विज्जा, अयं विमुत्ति ति, ततो योगावचरो सेवितब्बे धम्मे सेवाति, असेवित्तब्बे धम्मे न सेवति, भजितब्ब धम्मे सेवाति, असेवित्तब्बे धम्मे न भजति। एवं खो, महाराज अपिलापनलक्खणासति' ति। 'कथं, भन्ते, उप्पग्गण्हनलक्खणासति' ति?

ब) अनुपिटकसाहित्यात मिलिन्दपञ्हो ग्रंथाचे स्थान लिहा. **6**
अनुपिटकसाहित्य में मिलिन्दपञ्हो ग्रंथ का स्थान लिखिए।

किंवा / अथवा

करुणाभावना कथा विसुध्दीमग्गो ग्रंथातून स्पष्ट करा.
करुणाभावना कथा विसुध्दीमग्गो ग्रंथ से स्पष्ट किजिए।

4. अ) विभक्ती प्रत्यय लिहा **कोणतेही एक** **4**
विभक्ती प्रत्यय लिखिए **कोई भी एक**।

1) अट्ठि 2) रत्तिं 3) दण्डी 4) भिक्खु

ब) धातुचे अनागत काळाचे रुपे लिहा **कोणतेही दोन**. **4**
धातु के अनागत काल के रुप लिखिए **कोई भी दो**।
हिस, गह, छिद, गा, लुभ, पठ, कर, झा

क) स्वीकृत माध्यमातून भाषांतर करा. **4**
स्विकृत माध्यम में अनुवाद किजिए।

1) इसिनो पुत्तो धम्मं पठति।
2) अहि गामे जलं पिवति।
3) सारथि याने निसीदति।
4) अहं गामं गच्छामि।

ड) पालित भाषांतर करा. **4**
पालि में अनुवाद किजिए।

1) आई घरात पुस्तक वाचते.
माता घरमें किताब पढ़ति है।
2) रात्री आकाशात तारे दिसतात.
रात में आकाश में तारे दिखाई देते है।
3) मुनि गावात प्रवेश करतो
मुनि गावँ में प्रवेश करता है।
4) मी बाजारात जात आहे.
मै बाजार में जा रहा हूँ।

5. अ) टिपणे लिहा **कोणतेही दोन**. **6**
टिप्पणियाँ लिखिए **कोई भी दो**।

1) धम्मपद 2) थेरगाथा
3) चरियापिटक 4) सयुंत्तनिकाय

ब) योग्य पर्याय लिहा. **10**
योग्य पर्याय लिखिए।

1) नच्चजातकात कोण नाचतो.
नच्च जातक में कौन नाचता है।
अ) मोर ब) हसिंका
क) हंस ड) सकूणो

2) कुरुङ्मीगजातकात मित्र किती.
कुरुङ्मीगजातक में मित्र कितणे?

अ) 02 ब) 03
क) 04 ड) 05

3) संयुत्तनिकाय कूठे येते.
संयुत्तनिकाय कहाँ आता है।

अ) सुत्तपिटक ब) सुत्तनिपात
क) दीघनिकाय ड) विनयपिटक

4) सीलाचे पालन करा कोण सांगतो.
शीलपालन करो कौन कहता है।

अ) मोरं ब) बोधिसत्व
क) सीलवत्थेर ड) सुनितथेर

5) चरियापिटक ग्रंथ कूठे येते.
चरियापिटक ग्रंथ कहाँ आता है।

अ) विनयपिटक ब) अभिधम्मपिटक
क) खुद्दकनिकाय ड) खुद्दकपाठ

6) मिलिन्दपञ्हो कोणता साहित्य प्रकारात येतो.
मिलिन्दपञ्हो कौनसे साहित्य प्रकार में आता है।

अ) मूळग्रंथ ब) पिटकेत्तरग्रंथ
क) पिटकग्रंथ ड) निकायग्रंथ

7) शीलाचे खण्डन होणे म्हणजे होय.
शील का खण्डन होना याने है।

अ) सीलस्ससङ्किलेसो ब) सतीलक्खण
क) सीलपारमि ड) विसुध्दीमग्गो

8) सङ्खब्राह्मण कूठे येतो.
सङ्ख ब्राह्मण कहाँ आता है।

अ) जातक ब) संयुत्तनिकाय
क) चरियापिटक ड) अनुपिटक

9) 'मोह' काय आहे.
'मोह' क्या है।

अ) लोकधम्म ब) पाप
क) पूण्य ड) माया

10) जातककथा ग्रंथ कूठे येतो.
जातककथा ग्रंथ कहाँ आता है।

अ) खुद्दकनिकाय ब) खुद्दकपाठ
क) दीघनिकाय ड) मज्झिमनिकाय

****